नगर निगम में मस्टर कर्मियों पर उठे सवाल पार्षद ने की जांच और भौतिक सत्यापन की मांग





सतना। नगर पालिक निगम में पदस्थ मस्टरकर्मियों (दैवेभो) की नियुक्ति और कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। हाल ही में आयोजित नगर निगम परिषद की बैठक में यह गंभीर मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया। वार्ड क्रमांक 25 की पार्षद श्रीमती नम्रता सिंह ने परिषद अध्यक्ष को पत्र सौंपकर निगम में कार्यरत मस्टरकर्मियों की संख्या और उनके वास्तविक कार्यस्थल का भौतिक सत्यापन कराने की मांग की है।परिषद अध्यक्ष को भेजे पत्र में पार्षद नम्रता सिंह ने आम जनता में व्याप्त संशय को उजागर करते हुए कहा कि नगर निगम में बड़ी संख्या में मस्टरकर्मी कागजों पर तो तैनात हैं,लेकिन वे अपने मूल दायित्वों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं। पार्षद ने मांग की है कि इस पूरे मामले की जांच के लिए पार्षदों और प्रशासनिक अधिकारियों का एक संयुक्त जांच दल गठित किया जाए। जांच में अनियमितता या संशय सही पाए जाने पर दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त वैधानिक व कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

प्रतिमाह 1.46 करोड़ रुपये से अधिक का हो रहा भुगतान

प्राप्त जानकारी के अनुसार,नगर निगम में कुल 1,096 मस्टरकर्मी विभिन्न विभागों में कार्यरत दर्शाए गए हैं,जिन पर हर महीने 1 करोड़ 46लाख 48हजार 915 रुपये का वेतन (मानदेय) खर्च किया जा रहा है।

विभागवार मस्टरकर्मियों की संख्या एवं मासिक वेतन का ब्योरा

मस्टरकर्मियों की संख्या कुल मासिक वेतन (रुपये में)1. राजस्व 11 1,47,056 2. निर्माण 6 91,442 3. निर्माण (अन्य) 19 3,08,928 4. जलप्रदाय 155 22,63,647 5. फायर 29 4,36,839 6. वर्कशॉप 16 2,43,255 7. निर्माण/पार्क 49 6,83,283 8. कार्यालय अधीक्षक 42 5,59,722 9. विद्युत 19 2,56,128 10. लेखा 8 1,36,537 11. अतिक्रमण 38 5,12,794 12. संपत्तिकर 21 3,08,475 13. योजना 35 4,92,840 14. प्रधानमंत्री आवास 10 1,38,40 15. पुस्तकालय 7 89,658 16. स्वास्थ्य (ऑफिस) 7 2,12,834 17. स्वास्थ्य (मस्टर चालक) 38 6,32,814 18. स्वास्थ्य (सफाई संरक्षक-1) 55 7,08,241 19. स्वास्थ्य (सफाई संरक्षक-2) 531 64,26,021 कुल समस्त विभाग 1,096 1,46,48,915 हैं।

किसके बंगले पर बज रही ड्यूटी?

सतना नगर निगम में मस्टरकर्मियों की तैनाती को लेकर समय-समय पर सियासत और प्रशासनिक हलकों में माहौल गरमाता रहा है। स्थानीय लोग और जनप्रतिनिधि लगातार यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि इतने बड़े पैमाने पर तैनात कर्मचारी वाकई जनता की सेवा और निगम के आधिकारिक कार्यों में लगे हैं, या फिर वे किसी जनप्रतिनिधि,नेता या वरिष्ठ अधिकारी की निजी खिदमत और बंगलों की चाकरी में व्यस्त हैं।

खबर संक्षेप

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के शारदा लेडीज क्लब में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित



सतना। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड (सतना) के शारदा लेडीज क्लब द्वारा श्रीमती सुनीता सिंह की अध्यक्षता में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्लब की सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने विभिन्न रंगों और आकर्षक डिजाइनों से सजी सुंदर रंगोलियाँ बनाकर सभी का मन मोह लिया। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के डीजीएम-सीएसआर एंड पब्लिक रिलेशन देवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव एवं श्रीमती भावना पारसकर शामिल रहीं। प्रतियोगिता में श्रीमती प्रियंका सिंह बघेल ने प्रथम,श्रीमती नम्रता दुबे ने द्वितीय तथा श्रीमती विशाखा बूटले ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन पर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।साथ ही,सभी प्रतिभागियों के उत्साह एवं सहभागिता की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

पावर ग्रिड में साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित



सतना। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन में पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा पर एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) प्रेमलाल कुर्वे ने कर्मचारियों को ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी,डिजिटल अरेस्ट,फर्जी निवेश और फिशिंग लिंक जैसे साइबर अपराधों से बचने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि अपराधी तकनीक के साथ लोगों के भय और लालच का फायदा उठाते हैं। श्री कुर्वे ने मजबूत पासवर्ड,टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और रिमोट एक्सेस ऐप्स से सावधानी बरतने पर जोर दिया।साइबर सेल प्रभारी अजीत सिंह ने ठगी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने और शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

सगे भाइयों के बीच खूनी संघर्ष छोटा भाई गंभीर घायल



सतना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पन्ना नाका उमरी में मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात एक ही परिवार के दो सगे भाइयों के बीच हुआ घरेलू विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। इस घटना में छोटा भाई बुरी तरह घायल हो गया,जिसे आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार उमरी निवासी नागेंद्र पांडे और उसका बड़ा भाई मार्तंड पांडे एक ही घर में रहते हैं। मंगलवार रात किसी घरेलू बात को लेकर परिवार में कहासुनी हो रही थी।शुरुआत में पुलिस को सूचना मिली थी कि बड़े भाई मार्तंड पांडे ने छोटे भाई नागेंद्र पांडे पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया है। सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल भिजवाया। मौके पर मौजूद पिता ने पुलिस को जो बयान दिया है,उससे पूरे मामले में नया मोड़ आ गया है। पिता के अनुसार नागेंद्र पांडे नशे में था और घर में हमारे साथ गाली-गलौज और मारपीट कर रहा था। उसकी आवाज सुनकर बड़ा बेटा मार्तंड उसे समझाने आया।इसी बात पर नागेंद्र आगबबूला हो गया और घर में रखे चाकू को उठाकर बड़े भाई की तरफ मारने के लिए दौड़ा। हम दोनों को छुड़ाने लगे,इसी छीना-झपटी और धक्का-मुक्की के दौरान चाकू का वार नागेंद्र को ही लग गया और खून निकलने लगा। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना पर टीम भेजी गई थी। घायल नागेंद्र पांडे का मेडिकल कराया गया है। पिता के बयान और परिवार के अन्य सदस्यों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी कि चोट कैसे लगी। फिलहाल पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

28 सालों की सेवा के बाद भी संविलियन का इंतजार धवारी चौराहे पर अध्यापकों का अनिश्चितकालीन अनशन



सतना। राज्य शिक्षा सेवा कैडर 2018 के तहत संविलियन की मांग को लेकर सतना जिले के विभिन्न विकासखंडों के अध्यापकों का आक्रोश फूट पड़ा है। रामपुर बघेलान,सोहावल और अमरपाटन विकास खंड के संविदा शिक्षक और अध्यापक 27अक्टूबर से शहर के धवारी चौराहे पर अनिश्चितकालीन धरना और भूख हड़ताल पर बैठे हैं। प्रदर्शनकारी अध्यापकों का कहना है कि वे बीते 28 से 30 वर्षों से लगातार शासकीय स्कूलों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सभी अनिवार्य शैक्षणिक और प्रशासनिक पात्रताएं पूरी करने के बावजूद उन्हें अब तक शासकीय सेवक का पूर्ण दर्जा और उससे जुड़े वित्तीय लाभ नहीं दिए गए हैं। अध्यापकों के अनुसार,करीब 180 पात्र लोक सेवक इस अधिकार से पूरी तरह वंचित हैं। अधिकारियों द्वारा कई बार आश्वासन दिए जाने और जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा पत्र जारी किए जाने के बाद भी महज 14 अध्यापकों का ही संविलियन किया गया,जबकि शेष फाइलें ठंडे बस्ते में डाल दी गईं। धवारी चौराहे पर शिक्षिकाओं और अध्यापकों ने स्पष्ट संकल्प लिया है कि जब तक राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन संविलियन का अंतिम आदेश जारी नहीं कर देता,तब तक उनका यह आंदोलन, धरना और अनशन अनवरत जारी रहेगा।

रेलवे स्टेशन के सामने पन्ना कैंटीन में खाने के बिल पर विवाद

सतना। रेलवे स्टेशन परिसर स्थित रेलवे सोसाइटी की प्रसिद्ध 'पन्ना कैंटीन' में बुधवार देर रात खाने के पैसे के लेनदेन को लेकर हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। घटना के बाद स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया और यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत एक दिन पहले कैंटीन संचालक और कुछ स्थानीय युवकों के बीच खाने के बिल को लेकर हुई कहासुनी से हुई थी। इसी रंजिश के चलते बुधवार देर रात कुछ युवक शराब के अत्यधिक नशे में धुत होकर एक तेज रफ्तार बलेनो कार से कैंटीन पहुंचे। आरोपियों ने सीधे कार से कैंटीन के ढांचे में जोरदार टक्कर मार दी,जिससे कैंटीन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार से उतरते ही युवकों ने परिसर में रखी कुर्सियों और टेबल में जमकर तोड़फोड़ की तथा कैंटीन संचालक व कर्मचारियों के साथ मारपीट करने की कोशिश की। घटना की सूचना मिलते ही राजकीय रेलवे पुलिस और सिटी कोतवाली पुलिस का बल तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों मनीष दहिया 26वर्ष और अमित गौतम 23वर्ष को मौके से ही हिरासत में ले लिया। वहीं,इस वारदात में शामिल तीसरा आरोपी शिवम मिश्रा मौका पाकर फरार हो गया,जिसकी तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

जर्जर सर्विस रोड से हादसों का डरः सतना मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

तिगरा-सोहावल और सतना-बेला बाईपास मार्ग पर गहरे गड्ढे; तत्काल मरम्मत व नवीनीकरण की मांग

सतना। जिले के प्रमुख बाईपास मार्गों की खस्ताहाल सर्विस रोडों को लेकर सतना मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने गंभीर चिंता जताई है। तिगरा-सोहावल और सतना-बेला सर्विस मार्ग पर बने गहरे गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। इस गंभीर समस्या को लेकर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और जल्द से जल्द मरम्मत कराने की गुहार लगाई।

औद्योगिक केंद्र होने के कारण भारी वाहनों का दबाव

एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज शर्मा ने बताया कि सतना जिला देश के प्रमुख सीमेंट उद्योग केंद्रों में से एक है। इस कारण यहाँ प्रतिदिन हजारों की संख्या में भारी मालवाहक वाहनों (ट्रकों) का आवागमन होता है। ऐसे में बदहाल और गड्ढों से भरी सर्विस रोड न केवल परिवहन व्यवस्था को बाधित कर रही हैं,बल्कि वाहन चालकों और आम जनता के जीवन के लिए भी बड़ा खतरा बन गई हैं।

विकास की आधारशिला हैं सड़कें

एसोसिएशन के महामंत्री अभिषेक जैन ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि "सड़कों की बेहतर स्थिति किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास और व्यापारिक गतिविधियों की रीढ़ होती है। सतना जैसे औद्योगिक शहर में सर्विस रोड की ऐसी दुर्दशा बेहद चिंताजनक है। यदि समय रहते इनकी मरम्मत और नवीनीकरण नहीं किया गया,तो कोई बड़ी अप्रिय घटना घट सकती है। उन्होंने मांग की कि संबंधित विभाग को इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर लेकर ठोस कदम उठाने चाहिए। ज्ञापन में क्षतिग्रस्त सर्विस रोडों का तत्काल विभागीय निरीक्षण कराया जाए। सड़कों पर बने खतरनाक गड्ढों की तुरंत भराई एवं मरम्मत हो। पूरी तरह जर्जर हो चुके मार्गों का स्थायी समाधान करते हुए नए सिरे से नवीनीकरण कराया जाए। प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं और ज्ञापन को गंभीरता से सुनते हुए जिलाधिकारी महोदय ने आश्वस्त किया कि इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ज्ञापन सौंपते समय एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता एवं नीलाम्बर झा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ शिरीन खान की मुहिम,युवाओं को किया जागरूक

विशेष अतिथि के रूप में विद्यार्थियों से किया संवाद





सतना। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने के उद्देश्य से समाजसेवी शिरीन खान बुधवार को आदित्य कॉलेज में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर नशे की बढ़ती समस्या,उसके दुष्परिणामों और नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में शिरीन खान ने विद्यार्थियों को बताया कि नशे की लत व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उसकी शिक्षा,पारिवारिक जीवन ,सामाजिक प्रतिष्ठा और भविष्य को भी प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने,सकारात्मक जीवनशैली अपनाने और अपने मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की।कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि शिरीन खान ने केवल अपने विचार प्रस्तुत करने तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों को भी चर्चा में सहभागी बनाया। उन्होंने उनसे नशे की रोकथाम,युवाओं को नशे से बचाने और नशे की लत से मुक्ति पाने के प्रभावी उपायों पर सुझाव आमंत्रित किए।

शारदीय नवरात्र मेले के उत्कृष्ट आयोजन पर अधिकारी सम्मानित, परिवहन विभाग को मिला प्रथम स्थान

मैहर। शारदीय नवरात्रि पर्व के दौरान आयोजित भव्य मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट सहभागिता निभाने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मानित किया गया। कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी एवं पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने अधिकारियों को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में परिवहन विभाग के 'फ्यूजन संगीत' को प्रथम स्थान मिलने पर अतिरिक्त परिवहन अधिकारी रवि बरोलिया को सम्मानित किया गया। वहीं आबकारी विभाग के कवि सम्मेलन को द्वितीय तथा खाद्य एवं खनिज विभाग की संयुक्त 'भजन संध्या' को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ,जिसके लिए आबकारी आयुक्त सुरेंद्र कुमार उरांव,डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल व खनिज अधिकारी सम्मानित हुए। इसके अलावा ट्रेजर हंट के लिए विद्युत व पीआईयू विभाग सहित मेला व्यवस्था में जुटे अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को भी प्रशस्ति पत्र दिए गए।

शासकीय महाविद्यालय मझगवां के विद्यार्थियों ने किया थाने का भ्रमण



सतना। 'जन सुरक्षा युवा संवाद' अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय मझगवां के विद्यार्थियों ने मझगवां थाने का शैक्षणिक भ्रमण किया। थाना प्रभारी आदित्य नारायण धुर्वे ने विद्यार्थियों को महिला ऊर्जा डेस्क,एफआईआर प्रक्रिया,मालखाना और हवालात की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने आपात स्थिति में डायल 112 के उपयोग और साइबरठगी से बचाव की जानकारी दी।इस दौरान विद्यार्थियों ने पुलिस अधिकारियों से सीधे संवाद कर अपनी जिज्ञासाएं शांत कीं,जिससे उनके मन से पुलिस का भय दूर हुआ। प्राचार्य डॉ.शैल कुमारी अहिरवार के निर्देशन और शिक्षकों के मार्गदर्शन में यह ज्ञानवर्धक कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

खबर संक्षेप

2017 बैच के आईपीएस अधिकारी सव्यसाची सराफ नये पुलिस अधीक्षक



पन्ना। जिले के नए पुलिस अधीक्षक (SP) सव्यसाची सराफ को नियुक्त किया गया है। वे इससे पहले इंदौर में साइबर पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे। पूर्व एसपीः पूर्व पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू को वहां से हटाकर 10वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल (SAF), सागर में पदस्थ किया गया है। यह प्रशासनिक फेरबदल मध्य प्रदेश शासन द्वारा 29 अक्टूबर 2026 को जारी किया गया है।

गुनौर में डीएपी खाद की भारी किल्लत, टोकन के लिए भटक रहे किसान

गुनौर। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के गुनौर विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों रबी सीजन की बोनी के समय किसानों को डीएपी (क्ाच) खाद के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। क्षेत्र में खाद की भारी किल्लत के चलते किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। हालत यह है कि समितियों और केंद्रों पर खाद मिलना तो दूर, किसानों के ऑनलाइन टोकन तक बुक नहीं हो पा रहे हैं, जिससे किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

समय पर बोनी न होने का सता रहा डर- किसानों का कहना है कि रबी फसलों की बोनी के लिए यह समय बेहद महत्वपूर्ण है। अगर समय पर डीएपी खाद नहीं मिली, तो खेतों की नमी खत्म हो जाएगी और बोनी पिछड़ जाएगी। इससे फसल के उत्पादन पर सीधा और विपरीत असर पड़ेगा। दिन-रात केंद्रों के चक्कर काटने के बाद भी किसानों को सिर्फ आश्वासन मिल रहा है।

विपणन अधिकारी से तत्काल व्यवस्था की मांग- क्षेत्र के पीड़ति किसानों ने जिले के विपणन अधिकारी (डंतामजपदह विपिबमत) और प्रशासन से मांग की है कि गुनौर क्षेत्र में तत्काल प्रभाव से पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद के रैक और स्टॉक की व्यवस्था की जाए। साथ ही, टोकन बुकिंग की प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाया जाए ताकि हर किसान को उसकी जरूरत के मुताबिक खाद मिल सके।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

किसानों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने एक-दो दिनों के भीतर खाद की सुचारू सप्लाई शुरू नहीं की, तो उनके पास आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। समय पर खाद न मिलने की स्थिति में क्षेत्र के किसान सड़कों पर उतरने और चक्काजाम करने को मजबूर होंगे।

जिला स्तरीय युवा उत्सव

पन्ना। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में युवा उत्सव 2027 का आयोजन आगामी 30 अक्टूबर को जिला स्तर पर श्री जगन्नाथ स्वामी टाउन हॉल पन्ना में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। जिले के विजेता युवा और दल संभाग स्तर पर प्रतिभागिता करेंगे। प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त युवा और दल को राज्य स्तर पर प्रतिभागिता का अवसर मिलेगा। युवा उत्सव के तहत समूह लोक नृत्य, समूह लोकगीत, पेंटिंग, कविता लेखन और नुक्कड़ नाटक की पांच विधाओं में निर्धारित संख्या में युवा प्रतिभागी बन सकेंगे। इस वर्ष युवा शक्ति से जनभागीदारी के उद्देश्य से आगामी 10 से 12 जनवरी तक नई दिल्ली में 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं के लिए राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया जाएगा, जबकि सांस्कृतिक ट्रेक में निर्धारित पांच विधाओं का आयोजन नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत की थीम पर होगा।

मछली के लेनदेन पर उपजा विवाद-बका से किया हमला

हटा। नगर थाना क्षेत्र में नगर पालिका के पीछे बूढ़ा हटा मार्ग पर संचालित मछली मार्केट में मछली खरीदने गए युवक का लेनदेन पर विवाद हो गया जहां मछली विक्रेता द्वारा युवक पर बका से हमला कर दिया जिसका वचाव करते समय युवक की उंगलिया कटने से घायल हो गया। जहां पीड़ित घायल पुलिस थाना पंहुचकर घटना की शिकायत दर्ज कराई गई जहां पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, 45 हजार रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में जल संसाधन विभाग के डीए और लिपिक को पकड़ा

मेरा कोई परसेंट नहीं कोई खुषी से दे तो मै ले लेता हूँ- कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग पन्ना

कार्यवाही के बाद कार्यपालन यंत्री सीबी अहिरवार के बयान पर भी उठे सवाल







पन्ना। जिले के जल संसाधन विभाग में दो कर्मचारियों को सागर लोकायुक्त पुलिस ने को 45 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में पकड़ा पकड़े गए कर्मचारियों में संभागीय लेखा अधिकारी (डीए) दीपक सिंह परमार और सहायक ग्रेड-2 (लिपिक) अरविंद कुमार पाठक शामिल हैं। आरोप है कि दोनों ने मझगांय मध्यम सिंचाई परियोजना के अंतर्गत कैनाल स्लूस निर्माण कार्य के लंबित भुगतान के एवज में ठेकेदार गौरव तोमर से रिश्वत मांगी थी। शिकायत के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय लोकायुक्त सागर की टीम ने जल संसाधन विभाग के कार्यालय में ट्रैप की कार्रवाई की गई। ठेकेदार के अनुसार निर्माण कार्य के बाद तीन चरणों में लगभग 55 लाख रूपये का भुगतान किया गया शेष करीब 25 लाख रूपये मिलना बांकी था जिसका भुगतान करने के लिये उक्त दोनों आरोपियों ने 45 हजार रूपये रिष्वत की मांग की। लोकायुक्त की कार्यवाही के बाद जब जलसंसाधन संभाग पन्ना के कार्यपालन यंत्री सी.बी. अहिरवार का मीडिया से बातचीत का वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें उन्होंने भुगतान देने का कारण फण्ड न होना तथा कथित कमीषन के बारे में पूंछे जाने पर उन्होंने कहा कि मै कमीषन की बात नहीं करता और न ही सब इंजीनियर का प्रतिषत तय है यदि कोई अपनी खुषी से कुछ दे-दे तो ले लेते है। इससे कार्यालय में व्याप्त भृष्टाचार की स्वमेव पुष्टि हो जाती है। गौरतलब बात यह है कि जल संसाधन विभाग में कोई बर्थ-डे पार्टी तो होती नहीं कि कोई दे-दे तो ले लेते है यह तो विषुद्ध रूप से कमीषन या रिष्वत का ही मामला प्रतीत होता है। वैसे पन्ना जिले में यह कोई नई बात नहीं है पिछली बार एक पटवारी भी लोकायुक्त की कार्यवाही के हत्थे चढा था पूरा जिला अछूता नहीं है। पन्ना जिले में पंचायत स्तर से लेकर क्रमषः पायदान के अनुसार रिष्वत की चीखें सुनाई देती रही है। अब प्रषासन का मुखिया बदलने के कारण शायद ही इसमें कमी होने की संभावनायें प्रतीत होती है, अब देखना यह है कि यह खेल कब तक समाप्त होगा।

बीएमओ की सरपरस्ती में फल फूल रहा झोला छाप डॉक्टरों का कारोबार भोली भाली जनता को लूटने का काम कर रहे डॉक्टर, बांट रहे मौत





अमानगंज स्वास्थ्य केंद्र के हाल बेहाल अस्पताल में तड़पते रहते मरीज। स्वास्थ्य कर्मी मौके से रहते नदारद

अमानगंज। क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और कथित झोलाछाप डॉक्टरों की सक्रियता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि अमानगंज क्षेत्र में बिना उचित चिकित्सकीय योग्यता के इलाज करने वाले कुछ लोग भोली-भाली जनता की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। वहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। मरीज इलाज के लिए परेशान होते रहते हैं, जबकि स्वास्थ्यकर्मियों की समय पर मौजूदगी नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

नवागत कलेक्टर और सीएमएचओ से कार्रवाई की मांग

क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर अब नवागत कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) से हस्तक्षेप की मांग की जा रही है। मांग है कि अमानगंज क्षेत्र में संचालित क्लीनिकों की जांच कर चिकित्सकों की योग्यता और पंजीयन का सत्यापन किया जाए। साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति की नियमित जांच हो और मरीजों को समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाए। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेते हैं और क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के लिए क्या कदम उठाते हैं।

झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई कब?

क्षेत्र में कथित झोलाछाप डॉक्टरों की सक्रियता को लेकर स्वास्थ्य विभाग की निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि ऐसे लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से उनका कारोबार फल-फूल रहा है। गरीब और ग्रामीण परिवार बेहतर इलाज की उम्मीद में इनके पास पहुंचते हैं, लेकिन यदि बिना आवश्यक योग्यता के इलाज किया जा रहा है तो मरीजों की जान पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई आवश्यक है।

अस्पताल की व्यवस्थाओं पर भी सवाल

अमानगंज स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर भी शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप है कि अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता और कई बार स्वास्थ्यकर्मियों की अनुपस्थिति के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में यदि मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिलेगा, तो ग्रामीण जनता आखिर किसके भरोसे रहेगी? स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही के आरोपों की जांच कर जिम्मेदारी तय करना जरूरी है।

करवा चौथ, आस्था, समानता और आत्मीयता का साझा उत्सव



पन्ना। भारतीय संस्कृति में पर्व और त्यौहार केवल तिथियों के फेर या कर्मकांडों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे हमारे जीवन मूल्यों को संवारने के जीवंत माध्यम हैं। कार्तिक मास की चतुर्थी पर मनाया जाने वाला श्करवा चौथश् का पर्व भी ऐसा ही एक अनूठा अवसर है, जो सदियों से हमारी पारिवारिक संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। आधुनिक दौर में जब जीवन की भागदौड़ और कामकाजी व्यस्तताएं बढ़ रही हैं, तब इस पर्व के मायने और भी गहरे हो चले हैं। पारंपरिक रूप से यह पर्व सुहागिन महिलाओं द्वारा पति की दीर्घायु और आरोग्यता के लिए रखे जाने वाले निर्जला व्रत के रूप में जाना जाता है। सुबह की सरगी से लेकर रात में चंद्रमा के दर्शन और अर्घ्य देने तक की यह पूरी प्रक्रिया अटूट विश्वास और संकल्प का प्रतीक है। परंतु, समय के साथ इस पर्व को देखने के नजरिए में भी एक सकारात्मक बदलाव आया है। आज करवा चौथ को केवल एकतरफा त्याग या औपचारिकता के रूप में नहीं, बल्कि पति-पत्नी के बीच के आत्मीय रिश्ते, परस्पर सम्मान और सहभागिता के उत्सव के रूप में देखा जाने लगा है। आज का समाज प्रगतिशील है। महिलाएं परिवार संभालने के साथ-साथ शिक्षा, प्रशासन, उद्यमिता और विज्ञान जैसे हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। ऐसे में करवा चौथ की सार्थकता इस बात में है कि इसे किसी सामाजिक दबाव या रूढ़विादी परंपरा के रूप में नहीं, बल्कि स्वेच्छा, प्रेम और आदर के भाव से मनाया जाए। सच्ची श्रद्धा वही है जहाँ महिला के आत्मसम्मान, स्वास्थ्य और स्वतंत्र निर्णयों का पूरा सम्मान हो। इसके साथ ही, यह पर्व इस बात की भी याद दिलाता है कि दांपत्य जीवन की गाड़ी किसी एक पहिये से नहीं चलती। जिस प्रकार एक पत्नी अपने जीवनसाथी के लिए व्रत रख कर उसकी लंबी उम्र की कामना करती है, उसी प्रकार एक पति का भी यह नैतिक दायित्व बनता है कि वह अपनी अर्धांगिनी के सपनों, उसकी भावनाओं, उसके स्वास्थ्य और उसकी प्राथमिकताओं का पूरा सम्मान करे। प्रेम और समर्पण का यह रिश्ता एकतरफा नहीं हो सकता; यह दोनों तरफ से बराबर की ऊर्जा और सहयोग की मांग करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम दिखावे और बड़े-बड़े आयोजनों से ऊपर उठकर इस पर्व की मूल भावना को समझें। यदि करवा चौथ के बहाने ही सही, पति-पत्नी एक-दूसरे के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, दिनभर की व्यस्तताओं के बीच एक-दूसरे के लिए समय निकालते हैं और जीवन की हर मुश्किल में साथ खड़े रहने का नया संकल्प लेते हैं, तो इस पर्व का उद्देश्य पूरी तरह सार्थक हो जाता है। चंद्रमा की शीतल चांदनी हमें यह सिखाती है कि जीवन में शीतलता, धैर्य और सामंजस्य कितना आवश्यक है। करवा चौथ का संदेश स्पष्ट हैकृरिश्ते आडंबरों से नहीं, बल्कि भरोसे, समानता और अटूट प्रेम से मजबूत होते हैं। यही सामंजस्यपूर्ण सोच परिवार को जोड़ती है और हमारी संस्कृति की मिठास को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखती है।



प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एवं रणनीति पर विशेष कार्यशाला आयोजित

पन्ना। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पन्ना में प्राचार्य डॉ. जे.के. वर्मा एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. पी.पी. मिश्रा के संरक्षण तथा स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के संयोजक डॉ. बी.एन. जायसवाल के निर्देशन में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं करियर मार्गदर्शन के उद्देश्य से "प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी एवं रणनीति" विषय पर एक विशेष कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में आभाष तिवारी एवं डॉ. अनुराधा चौरसिया ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (डच्चैब), संघ लोक सेवा आयोग (न्चैब), बैंकिंग, कर्मचारी चयन आयोग (ैब), खेल तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की पात्रता, पाठ्यक्रम, परीक्षा पद्धति, तैयारी की रणनीति एवं अध्ययन के लिए उपलब्ध संसाधनों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य वक्ता आभाष तिवारी ने प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारण, नियमित अध्ययन, निरंतरता, तनाव प्रबंधन तथा विषयों की बुनियादी अवधारणाओं को स्पष्ट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं, डॉ. अनुराधा चौरसिया ने विद्यार्थियों को उपलब्ध अध्ययन सामग्री का प्रभावी उपयोग करने, नियमित अभ्यास करने तथा परीक्षा की आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी तैयारी की रणनीति विकसित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।कार्यशाला के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित अपनी जिज्ञासाएँ एवं समस्याएँ विशेषज्ञों के समक्ष रखीं। वक्ताओं ने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान करते हुए उन्हें आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।समग्र रूप से यह कार्यशाला विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूक करने, उनकी तैयारी को सही दिशा प्रदान करने तथा भविष्य के लिए स्पष्ट करियर लक्ष्य निर्धारित करने की दृष्टि से ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं प्रेरणादायी सिद्ध हुई।

मां की राह देख रहे दो मासूम बच्चे, 10 साल के रिश्ते के बाद अचानक बिखर गई गृहस्थी

करवा चौथ पर पति को छोड़कर लापता हुई पत्नी





अमानगंज। जिस उम्र में बच्चों को मां की गोद में सिर रखकर सोना चाहिए, मां के हाथों से खाना खाना चाहिए और उसकी उंगली पकड़कर चलना सीखना चाहिए, उस उम्र में दो मासूम अपनी मां की राह देख रहे हैं। उन्हें क्या पता कि घर की चारदीवारी के भीतर बड़ों की जिंदगी में क्या उथल-पुथल मची है। उन्हें तो बस अपनी मां चाहिए, उसकी ममता चाहिए और उसका प्यार चाहिए। शायद हर आहट पर उनकी नजर दरवाजे की ओर उठती होगी, शायद हर पल मन में यही सवाल आता होगा कि आखिर मां कहां चली गई? पन्ना जिले के अमानगंज थाना क्षेत्र से सामने आया यह मामला एक परिवार की ऐसी पीड़ा बयां कर रहा है, जहां पत्नी के अचानक लापता होने से पति परेशान है और दो मासूम बच्चों के सामने मां की कमी का दर्द खड़ा हो गया है। पीड़ति पति दिलीप कुशवाह निवासी कुदरा झरकुंआ का कहना है कि उसकी शादी को 10 साल हो चुके हैं। इतने लंबे वैवाहिक जीवन में उसे कभी अपनी पत्नी पर संदेह नहीं हुआ, लेकिन अब पत्नी के अचानक लापता होने से वह परेशान है। दिलीप के अनुसार, उसकी पत्नी सीमा कुशवाहा पिछले करीब एक महीने से अपने मायके में रह रही थी, जहां उसका इलाज चल रहा था। सीमा सिमरिया गांव की निवासी बताई गई है। पति के मुताबिक, 23 तारीख को वह पत्नी को लेकर अपने घर आया था। इसके बाद परिवार के सभी सदस्य साथ रह रहे थे। दिलीप का कहना है कि उसकी पत्नी घर से दवा कराने की बात कहकर दो साल की बच्ची को साथ लेकर अमानगंज आई थी। घर पर चार साल और छह साल के दो बेटे रह गए थे। इसके बाद महिला अचानक लापता हो गई। पति ने आरोप लगाया है कि घर में रखे जेवरात और करीब 30 से 40 हजार रुपये नकद भी गायब हैं। पत्नी के इस तरह लापता होने से दिलीप की चिंता बढ़ गई है। उसे पत्नी की तलाश है और घर पर रह गए बच्चों की जिम्मेदारी भी उसके सामने है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा दर्द उन दो मासूमों का है, जिन्हें शायद अभी यह भी समझ नहीं है कि उनकी मां अचानक उनसे दूर क्यों हो गई। चार और छह साल की उम्र में बच्चे अपने माता-पिता के प्यार और सुरक्षा पर निर्भर होते हैं। उनके लिए मां का साथ ही सबसे बड़ी दुनिया होता है। जब मां पास नहीं होती, तो छोटी-छोटी बातें भी उन्हें उसकी याद दिलाती हैं। ऐसे में इन बच्चों की भावनाओं और देखभाल को लेकर परिवार की चिंता स्वाभाविक है। दस साल के वैवाहिक जीवन के बाद पत्नी के अचानक लापता होने से परेशान दिलीप का कहना है कि उसे कभी ऐसा संदेह नहीं हुआ था। अब उसके सामने पत्नी की तलाश, घर की परिस्थितियों और बच्चों की परवरिश की चिंता है। जिस घर में परिवार के सभी सदस्य साथ रह रहे थे, वहां अचानक पैदा हुई इस स्थिति ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। करवा चौथ के अवसर पर सामने आए इस मामले ने रिश्तों, विश्वास और पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा शुरू कर दी है। हालांकि, महिला ने किन परिस्थितियों में घर छोड़ा, इसकी वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है। महिला का पक्ष सामने आना भी जरूरी है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पूरे मामले की सच्चाई जानना आवश्यक है। यदि पति की शिकायत में लगाए गए आरोप सही साबित होते हैं, तो घर छोड़ने के फैसले और बच्चों पर पड़ने वाले उसके प्रभाव को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। लेकिन यदि महिला किसी परेशानी या मजबूरी के कारण घर से गई है, तो उसकी परिस्थितियों को समझना भी जरूरी होगा। किसी भी स्थिति में बच्चों की सुरक्षा, परवरिश और भावनात्मक जरूरतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पीड़ति पति की शिकायत के बाद अमानगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की पड़ताल कर रही है। महिला कहां गई और पति द्वारा लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। आज सबसे बड़ा सवाल यह है कि मां की राह देख रहे इन मासूम बच्चों की पीड़ा कौन समझेगा? पति-पत्नी के बीच चाहे जो भी परिस्थितियां हों, बच्चों का बचपन और उनका भविष्य सबसे महत्वपूर्ण है। रिश्तों में आई दूरियों का असर उन बच्चों पर नहीं पड़ना चाहिए, जिन्होंने अभी जिंदगी को समझना भी शुरू नहीं किया है। एक पिता पत्नी की तलाश में परेशान है, दो मासूम मां की राह देख रहे हैं और एक परिवार जवाबों का इंतजार कर रहा है। अब देखना होगा कि पुलिस जांच में क्या सामने आता है और इस पूरे घटनाक्रम की सच्चाई कब तक स्पष्ट होती है।

महिला शक्ति ने संभाला मंच, रात एक बजे शुरू हुआ रास-गरबा; ब्रह्म चबूतरे पर रातभर झूमता रहा सुंदरसाथ

तीज की रात्रि भक्ति गीतों पर युवक-युवतियों से लेकर बच्चों और बुजुर्गों तक ने लिया हिस्सा, पंचमी की सुबह विशेष आरती के बाद बंगला साहिब मंदिर के लिए रवाना होगी श्रीजी की सवारी





पन्ना। अंतरराष्ट्रीय शरद पूर्णिमा महोत्सव अपने पारंपरिक स्वरूप और पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ रहा है। तीज की रात्रि महिला शक्ति ने मंच संभालकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में अपनी भागीदारी दर्ज कराई, वहीं रात एक बजे से श्री प्राणनाथ जी मंदिर के ब्रह्म चबूतरे पर रास-गरबा का आयोजन शुरू हुआ। राज जी के प्रेम और भक्ति में सराबोर सुंदरसाथ ने पूरी रात गरबा करते हुए महोत्सव में आध्यात्मिक उल्लास की अनुपम छटा बिखेरी।

रास-गरबा में युवक-युवतियों के साथ बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। सामूहिक गरबा के साथ अलग-अलग टोलियों में पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। भक्ति गीतों की मधुर धुन और जयकारों के बीच पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। सभी आयु वर्गों की सहभागिता ने महोत्सव की सांस्कृतिक एकता और सामूहिक भक्ति की परंपरा को जीवंत कर दिया।

भक्ति गीतों पर झूम उठा ब्रह्म चबूतरा

आई बहार देखो सज के सिंगार सखी, आई बसंत ऋतु झूम-झूम के*' और 'आओ सखी सब मिलकर गाएं, रास रचाएं मधुबन में*' जैसे भक्ति गीतों पर सुंदरसाथ देर रात तक झूमता रहा। महिला शक्ति की मंचीय भागीदारी और रास-गरबा में श्रद्धालुओं के उत्साह ने महोत्सव की रौनक बढ़ा दी। देर रात से सुबह तक चले इस आयोजन में भक्ति, परंपरा और सांस्कृतिक उल्लास का सुंदर संगम देखने को मिला।

पंचमी की सुबह विशेष आरती के बाद निकलेगी श्रीजी की सवारी

अंतरराष्ट्रीय शरद पूर्णिमा महोत्सव का समापन पंचमी की सुबह धार्मिक उत्साह और श्रद्धाभाव के बीच होगा। रास मंडल में विशेष आरती एवं सामूहिक आरती के उपरांत श्रीजी की सवारी जयकारों के साथ बंगला साहिब मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। इस दौरान सुंदरसाथ पूरे श्रद्धाभाव और उत्साह के साथ सवारी में शामिल होगा। श्रीजी की सवारी के प्रस्थान के साथ ही महोत्सव के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों का विधिवत समापन होगा।

खबर संक्षेप

चंदला में ताश के पत्तों की तरह भरभरा कर गिर रहीं सांदीपनि विद्यालय की दीवारें

चंदला। सरकारें भले ही शिक्षा के स्तर को सुधारने और स्कूलों को डिजिटल बनाने के लिए स्मार्ट क्लास और डिजिटल एजुकेशन के बड़े-बड़े दावे कर रही हों, लेकिन धरातल पर स्थिति इन दावों की पोल खोलने के लिए काफी है। छतरपुर जिले के चंदला क्षेत्र में स्थित सांदीपनि विद्यालय इन दिनों अपनी बदहाली और घटिया निर्माण के चलते सुर्खियों में है। यहाँ शिक्षा के मंदिर की दीवारें किसी मजबूत पक्के सीमेंट से नहीं, बल्कि ऐसा लगता है कि महज उम्मीदों और वादों के कच्चे गारे से बनाई गई थीं। आलम यह है कि स्कूल की दीवारों को हाथ लगाते ही वे ताश के पत्तों की तरह झडने और ढहने लगती हैं।

कस्बा बक्सवाहा में मारपीट कर गंभीर चोट पहुँचाने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार, लाठी-डंडे बरामद

छतरपुर। थाना बक्सवाहा पुलिस ने क्षेत्र में मारपीट कर गंभीर चोट पहुँचाने के मामले में फरार चल रहे 4 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लाठी-डंडे भी बरामद कर लिए हैं। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सितंबर 2026 में कस्बा बक्सवाहा के बुधवारा बाजार में फरियादी मनीष जैन के साथ आरोपियों ने एकत्रित होकर मारपीट की थी। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध बलवा, मारपीट सहित समुचित धाराओं में भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध किया था। फरियादी की मेडिकल रिपोर्ट में गंभीर चोट पाए जाने पर प्रकरण में धारा का इजाफा किया गया था।मामले में लगातार फरार चल रहे आरोपी बिट्टू उर्फ देवेश सोनी (पिता मदन गोपाल सोनी), योगेश सोनी (पिता मदन गोपाल सोनी), शिवा उर्फ सालू सोनी (पिता बृजगोपाल सोनी) तथा अनिरुद्ध सोनी (पिता रामगोपाल सोनी), सभी निवासी वार्ड क्रमांक 12, बक्सवाहा को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया।

1 नवंबर तक जारी रह सकता है बारिश का दौर

करवाचौथ पर छाए बादल, तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी शुरू, जानें कब होगी भारी बारिश

छतरपुर। जिले में मौसम ने अचानक करवट ली है। पिछले कुछ घंटों से मौसम में आए बदलाव के कारण ठंडी हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी का सिलसिला शुरू हो गया है। मौसम विभाग खजुराहो के मुताबिक, आने वाली 1 नवंबर तक जिले में रुक-रुक कर बूंदाबांदी और तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है।



25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं हवाएं
मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस समय आसमान में सक्रिय बादलों के बीच 20 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। इन्हीं तेज हवाओं के कारण फिलहाल केवल बूंदाबांदी देखने को मिल रही है। हालांकि, मौसम विभाग का अनुमान है कि जैसे ही हवाओं की रफ्तार थमेगी, तेज बारिश शुरू हो जाएगी।

करवाचौथ के चांद का इंतजार करना होगा लंबा

सुहागिनों का पावन पर्व करवाचौथ है, लेकिन मौसम का यह बदलाव इस त्योहार के उल्लास पर थोड़ा असर डाल रहा है। आसमान में लगातार घने बादल छाए रहने के कारण महिलाओं को चांद देखने के लिए सामान्य समय से ज्यादा इंतजार करना पड़, क्योंकि बादलों की वजह से चांद के देर से निकलने की संभावना है।

बारिश के बाद बढ़ेगी सर्दी, गिरेगा तापमान

मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस बेमौसम बारिश और बूंदाबांदी का दौर थमने के तुरंत बाद जिले में ठंड का अहसास तेज हो जाएगा। बादलों के छंटने और बारिश के बाद तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जाएगी, जिससे जिले में आधिकारिक तौर पर ठंड की शुरुआत हो जाएगी।

छतरपुर में विवादों से घिरी डायल 112 डीएस पर लग रहे वसूली के आरोप

छतरपुर। म.प्र. शासन द्वारा छतरपुर जिले में भी डायल 112 एक निजी कम्पनी जीव्हीके के माध्यम से शुरू की गई लेकिन छतरपुर में यह डायल 112 विवादों के घेरे में फंस गई है क्योंकि पूर्व जो डीएस यहां पदस्थ रहे किन्हीं कारणों से वह कुछ दिनों के लिए गायब हो गये। उनके गायब होने के बाद जिला डीएस का प्रभार निवाड़ी के डीएस को सौंप दिया गया और निवाडी के डीएस ने छतरपुर जिले का प्रभार मिलते ही यहां के पायलटों को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। अब उन पर वसूली के गंभीर आरोप लग रहे हैं। एक पायलट मनीष शर्मा को न तो नोटिस दिया और जांच रिपोर्ट आने से पहले ही कम्पनी के एचआर को गुमराह करते हुए पायलट से हटाने का पत्र जारी कर दिया गया। पत्र में पैसे लेने का वीडियो वायरल होने का आरोप लगाया लेकिन जांच रिपोर्ट में यह आरोप कहीं सिद्ध नहीं हुआ फिर भी कम्पनी के एचआर को गुमराह डीएस ने किया। इसके अलावा एक माह बाद उसी पायलट को यह कहकर गुमराह करते रहे और पार्टी लेते रहे कि मैं जल्द तुम्हें डियूटी ज्वाइन करा दूंगा। लेकिन न डियूटी ज्वाइन कराई और न ही कंपनी से कोई पत्राचार किया और अब इस मामले से अपना पल्ला झाड़ रहें हैं कि तुम्हारे विरूद्ध दो मामले विचाराधीन हैं। जबकि अभी कई पायलट नौकरी कर रहे हैं जिनके विरू द्ध मामला न्यायालय में विचाराधीन है। और दो पायलट ऐसे भी हैं जिन पर अदालत द्वारा जुर्माना लगाया गया था लेकिन वह भी नौकरी कर रहे हैं। इससे छतरपुर में डायल 112 अब विवादों के घेरे में फंसती जा रही है। दो पायलटों पर एक-एक हजार रूपये का जुमार्ना अदालत द्वारा हुआ था जबकि एक पायलट पर 100 रूपये का जुर्माना जुआ एक्ट के मामले में हुआ था। जुर्माना होने का मतलब है कि केस में दोषी पाये गये। फिर उन्हें नौकरी से नहीं निकाला गया। अब स्थानांतरण के नाम पर पायलटों को परेशान करने के आरोप लग रहे हैं। लवकु शनगर क्षेत्र के पायलटों का आरोप है कि 24 घंटे डियूटी करने के लिए परेशान किया जा रहा है। इसलिए जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को इस विषय पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। वहीं एक पायलट को नियम विरूद्ध सरकारी आवास दिया गया है और हाइवे पर चलने वाली डायल 112 के पायलट खुलेआम रात को मवेशी वाहनों से वसूली करते हैं। ऐसे आरोप आये दिन लग रहे हैं लेकिन उन्हें डीएस द्वारा बचाया जा रहा है एक पायलट द्वारा मुंगवारी टोल प्लाजा पर गाली-गलौच की गई जिसका वीडियो वायरल हुआ। पहले उसे सस्पेंड किया फिर फीलगुड करके उसे बहाल करने के भी आरोप लग रहे हैं। क्या पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इन आरोपों की सच्चाई तक जाने का प्रयास करेंगे। वहीं इस संबंध में प्रभारी डीएस से बात की गई तो उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया, वहीं डायल 112 की एसएसपी का कहना है कि पूरे प्रदेश में एक भी पायलट ऐसा नहीं रहेगा जिस पर मामला विचाराधीन होंगे सभी को एक-एक करके अलग किया जायेगा।



मेला जलविहार से नगर पालिका को 50 लाख की रिकॉर्ड आय, तैयारियों पर खर्च होंगे 15 लाख

सुरक्षा और पार्षदों के आरोपों पर क्या बोलीं सीएमओ

छतरपुर। प्रसिद्ध मेला जलविहार में इस बार नगर पालिका के खजाने में भारी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) माधुरी शर्मा के अनुसार, इस वर्ष मेले में केवल बड़े झूलों से 45 लाख रुपये की राशि मिलनी तय हुई है। पिछले साल यह आंकड़ा 32 लाख रुपये था, यानी इस बार 13 लाख रुपये की सीधे तौर पर बढ़ोतरी हुई है। वहीं पार्किंग व्यवस्था का ठेका 80 हजार रुपये में स्वीकृत हुआ है। कुल मिलाकर मेले से लगभग 50 लाख रुपये की आय का अनुमान है।

दीपावली तक आयोजित होने वाले इस 10 दिवसीय मेले की तैयारियां जोरों पर हैं। नगर पालिका द्वारा मेले के सफल संचालन और मनोरंजन के लिए 15 लाख रुपये का बजट रखा गया है। इसमें से करीब 10 लाख रुपये भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर खर्च किए जाएंगे, जबकि 5 लाख रुपये अन्य व्यवस्थाओं और अस्थायी विद्युत कनेक्शन पर व्यय होंगे।

फायर सेफ्टी और लेआउट पर विशेष ध्यान

सकरी गलियों और भीड़भाड़ को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका ने मेले का विशेष लेआउट तैयार किया है। झूलों के पास 25 फीट, मुख्य रास्ते पर 20 फीट और अंदरूनी बाजार की दुकानों के पास 15 फीट चौड़ी सड़कें छोड़ी गई हैं ताकि आवागमन बाधित न हो। आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त फायर सेफ्टी इंतजाम किए गए हैं और नगर पालिका कर्मियों को मुस्तैद रखा गया है।

पार्षदों के आरोपों पर सीएमओ की सफाई

दुकान आवंटन को लेकर पार्षदों द्वारा उठाए जा रहे सवालों का जवाब देते हुए सीएमओ ने सभी आरोपों को गलत बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि परंपरा के अनुसार हर साल दुकानें लगाने वाले पुराने दुकानदारों को ही प्राथमिकता दी गई है। बची हुई जगह पर ही नए आवेदकों को अवसर दिया जाता है। किसी भी दुकानदार से अतिरिक्त वसूली नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि आवंटन में किसी तरह की गड़बड़ी या शिकायत नपा के पास दर्ज नहीं हुई है।

लवकुशनगर के मुख्य बाजार में युवक से बेरहमी से मारपीट, वीडियो वायरल



छतरपुर। जिले के लवकुशनगर स्थित मुख्य बाजार में एक युवक के साथ 4-5 युवकों द्वारा घेरकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। गुरुवार सुबह घटना का वीडियो वायरल होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। वायरल वीडियो में आरोपी युवक पीड़ित पर लात-घूंसों और बेल्ट से ताबड़तोड़ हमला करते नजर आ रहे हैं।घटना के वक्त बाजार में कई लोग मौजूद थे, लेकिन बीच-बचाव करने के बजाय लोग तमाशबीन बने रहे। दिनदहाड़े व्यस्त बाजार में हुई इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है और उन्होंने क्षेत्र की कानून-व्यवस्था व पुलिस गश्त पर सवाल उठाए हैं। मारपीट किस वजह से हुई, फिलहाल इसका खुलासा नहीं हो सका है।मामले में लवकुशनगर थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदी का कहना है कि पुलिस को अब तक किसी भी पक्ष से कोई लिखित शिकायत या आवेदन नहीं मिला है। हालांकि, वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वीडियो फुटेज के आधार पर मारपीट करने वाले युवकों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वामित्व रजिस्ट्री कार्य में शून्य प्रगति वाले पटवारियों की वेतन वृद्धि रोकें, कार्य नहीं करने पर हल्के भी बदल जाएं: कलेक्टर

कलेक्टर ने राजस्व कर वसूली बढ़ाने के सभी राजस्व अधिकारियों को दिए निर्देश



छतरपुर। जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में गुरुवार को राजस्व अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में एडीएम विनय द्विवेदी, एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री मीना ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन अभियान की तहसीलवार समीक्षा करते हुए नौगांव, राजनगर एवं छतरपुर ग्रामीण के तहसीलदारों पर नाराजगी जाहिर की और शून्य प्रगति वाले पटवारियों की वेतनवृद्धि रोकने एवं इसके पश्चात भी सुधार नहीं करते हैं तो उनके हल्के बदलने के निर्देश दिए। इसके साथ समानांतर ही विवादित प्रकरणों को कोर्ट केस लगवाकर निराकृत कर रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए। स्वामित्व पंजीयन कार्य मे बक्सवाहा तहसीलदार द्वारा कार्य में रुची नहीं लेने पर वेतन आहरण रोकने के निर्देश भी दिए।

अविवादित नामांतरण व बंटवारा प्रकरण 3 माह से अधिक लंबित न रहें, कलेक्टर के स्पष्ट निर्देश

कलेक्टर ने आरसीएमएस पर दर्ज अविवादित नामांतरण के 3 माह से अधिक लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की जिसमें घुवारा तहसीलदार द्वारा प्रकरण 3 माह से अधिक लंबित रखने पर एक दिन का वेतन राजसात करने एवं संबंधित के रीडर का भी एक इंक्रीमेंट रोकने के निर्देश दिए। साथ ही पिछली मीटिंग से भी सुधार नहीं करने पर महेवा, सौरा तहसीलदार का भी एक इंक्रीमेंट रोकने एवं नौगांव, बम्हौरी एवं घुवारा को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि एसडीएम, तहसीलदारों के कार्यों की समीक्षा करें जिसमें 3 माह से अधिक के नामांतरण एवं बंटवारा के प्रकरण लंबित न रहें, इसमें यदि एसडीएम द्वारा संबंधित तहसीलदार या नायब तहसीलदार पर कार्रवाई नहीं की जाती है, तो संबंधित एसडीएम पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए जिन संबंधित तह. या ना. तहसीलदार कोर्ट वर्क नहीं कर पा रहे, उनके कोर्ट चार्ज बदलें। विवादित श्रेणी के प्रकरणों को भी 6 माह में निर्णय कर, निराकृत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने साईबर तहसील 1.0 के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान गौरिहार अंतर्गत सरबई के प्रकरण में शासन द्वारा बंटन की भूमि पर बिना कलेक्टर की अनुमति के उप पंजीयक द्वारा रजिस्ट्री की गई, जिसके संबंध में कलेक्टर ने जिला रजिस्ट्रार को बैठक में बुलाकर जानकारी ली और संबंधित उप पंजीयक के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए और इस प्रकार की लापरवाही वाले प्रकरणों में तहसीदारों को भी गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। साथ ही एसडीएम को बंटन एवं बंधक की भूमि की रजिस्ट्री के मामले में जांच करने के लिए भी निर्देशित किया।

फसल लगने के पूर्व सीमांकन के लंबित प्रकरणों का निराकरण कराएं

लंबित सीमांकन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल लगने के पूर्व सीमांकन प्रकरणों का निराकरण हो जाए, एसडीएम इसकी मॉनिटरिंग करें। फील्ड स्तर पर कार्य कर रहे पटवारियों से पीएम सम्मान निधि के किसानों की आधार ई-केवायसी एवं फॉर्मर रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए।राजस्व कर वसूली को लेकर भी कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वसूली कार्य में कोई कार्य नहीं किया जा रहा है, राजस्व अधिकारी मार्च तक शतप्रतिशत राजस्व वसूली कराएं। सीएम हेल्पलाइन की शिकयतों में कलेक्टर ने एसडीएम को अपनी तहसीलों की शिकायतों पर गंभीरता से निराकरण कराने के निर्देश दिए। सागर-कबरई प्रोजेक्ट के भू-अर्जन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एसडीएम छतरपुर को शीघ्र शेष भुगतान सुनिश्चित करने को कहा।

चंदला स्वास्थ्य केंद्र का एसडीएम ने किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

चंदला। लवकुश नगर एसडीएम आयुष जैन ने बुधवार को चंदला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ लवकुश नगर के बीएमओ लखन अहिरवार, चंदला तहसीलदार नारायण कोरी और सदर पटवारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं, सुविधाओं और चल रहे निर्माण कार्यों का बारीकी से जायजा लिया गया। एसडीएम ने बताया कि निरीक्षण के दौरान दवा स्टोर की जांच की गई, जहां एक्सपायरी डेट की कोई भी दवा नहीं पाई गई। इसके अलावा, डॉक्टर भी अपनी ड्यूटी पर उपस्थित मिले। हालांकि, अस्पताल परिसर में पानी की समस्या सामने आई, जिसे लेकर बीएमओ से चर्चा की गई है। जल्द ही वहां एक-दो नई टंकियां रखवाई जाएंगी ताकि वॉशरूम में सुचारू रूप से पानी मिल सके। चंदला में बन रही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य पिछले कई सालों से लंबित पड़ा है। पत्रकारों द्वारा इस संबंध में सवाल उठाए जाने पर एसडीएम ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि संबंधित विभाग और इंजीनियर को निर्देशित किया जाएगा कि वे तय समय-सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूरा कराएं, ताकि अस्पताल को जल्द नई बिल्डिंग में शिफ्ट किया जा सके।नगर क्षेत्र में सक्रिय सैकड़ों झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा मरीजों के इलाज के नाम पर जीवन से खिलवाड़ करने और गलत इलाज से होने वाली मौतों के मामलों को एसडीएम ने बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने बीएमओ की मौजूदगी में सख्त निर्देश दिए कि लवकुश नगर और चंदला अनुभाग के अंतर्गत सक्रिय सभी फर्जी डॉक्टरों की पहचान कर उन पर प्रभावी और कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।मौके पर मौजूद पत्रकारों और नगर परिषद के एल्डरमैन/पार्षद योगेंद्र सिंह ने बताया कि चंदला स्वास्थ्य केंद्र पर 5 डॉक्टर पदस्थ हैं, लेकिन जरूरत के वक्त अस्पताल अक्सर डॉक्टर विहीन मिलता है। इस पर बीएमओ लखन अहिरवार ने आश्वासन दिया कि ड्यूटी के दौरान जो भी डॉक्टर अनुपस्थित पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।



छतरपुर पुलिस ने किया पेप्टेक टाउन चोरी का खुलासा, धार जिले के चार शातिर चोर गिरफ्तार



9 करीब 14 लाख रुपये के नकदी और चांदी के आभूषण बरामद, एसपी ने पुलिस टीम को 10 हजार के इनाम से नवाजा

छतरपुर। ओरछा रोड थाना पुलिस ने पेप्टेक टाउन में हुई सनसनीखेज चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए धार जिले के चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकदी, चांदी के आभूषण और वारदात में इस्तेमाल किए गए औजार बरामद किए हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 14 लाख 625 रुपये आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली पुलिस टीम के उत्साहवर्धन के लिए 10 हजार रुपये के नकद इनाम की घोषणा की है।

पुलिस के अनुसार, 11 अक्टूबर 2026 को ओरछा रोड थाना क्षेत्र के पेप्टेक टाउन निवासी फरियादिया नीरजा राजा के मकान में चोरी की इस घटना को अंजाम दिया गया था। घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों को आधार बनाते हुए घटनास्थल व आसपास के लगभग 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज के गहन विश्लेषण से चोरों की पहचान सुनिश्चित हुई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शोभन भूरिया, कालू, दिनेश मंडलाई और कैलाश—चारों निवासी ग्राम देवधा, थाना बाग, जिला धार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से 63 हजार रुपये नकद, चांदी की सात चूड़ियां, दो जोड़ी पायल, तीन चांदी के सिक्के तथा चोरी में प्रयुक्त कटर व स्क्रू ड्राइवर बरामद किया गया है। इस पूरी कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले एवं नगर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सोनी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक शर्मा सहित अन्य पुलिस अधिकारियों व जवानों की सराहनीय भूमिका रही।

चंदला में गल्ला दुकान पर निकला भारी-भरकम अजगर, बोरों के पीछे छिपने से दहशत



चंदला। स्थानीय कस्बे के द्रोमढ़ धर्मशाला के ठीक सामने स्थित एक गल्ला दुकान में गुरुवार की सुबह एक विशालकाय अजगर आ धमका, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सुबह करीब छह बजे जब पल्लेदार दुकान से गेहूं के बोरे बाहर निकाल रहे थे, तभी उनकी नजर बोरों के पास छिपे एक बड़े अजगर पर पड़ी। विशालकाय सांप को देखकर पल्लेदारों के होश उड़ गए और वे तुरंत सहमकर पीछे हट गए।घटना की जानकारी मिलते ही दुकान मालिक और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। आनन-फानन में इसकी सूचना चंदला वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी श्याम प्रसाद संसिया अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन जब तक टीम अजगर को पकडने का प्रयास करती, वह अपनी जगह से खिसक चुका था। अजगर ने मौका पाकर दुकान के भीतर ही गेहूं के बोरों की छल्ली के बीच सुरक्षित ठिकाना ढूंढ लिया और दोबारा नजर नहीं आया। अजगर के दुकान के भीतर ही कहीं छिपे होने और उसका पुख्ता रेस्क्यू न हो पाने के कारण वन विभाग की टीम को फिलहाल खाली हाथ लौटना पड़ा। इस घटना के बाद से दुकान संचालक के परिवार, रहवासियों और आसपास के दुकानदारों में भारी दहशत का माहौल है, क्योंकि अजगर के फिर से सामने आने का खतरा बना हुआ है।

गूगल से नंबर निकाल फोन करना पड़ा महंगा, 19.80 लाख रुपए गंवाए

रीवा में सामने आये साइबर ठगी के चार मामले

अलग-अलग मामलों में साइबर हेल्पलाइन की शिकायत पर जीरो पर दर्ज हुआ मामला, संबंधित थानों में जांच शुरू

रीवा।

गूगल पर किसी अस्पताल, कंपनी या संस्थान का संपर्क नंबर सर्च कर उस पर फोन करना अब लोगों के लिए जोखिम भरा साबित हो रहा है। साइबर ठग इंटरनेट पर उपलब्ध संपर्क नंबरों का फायदा उठाकर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। रीवा में साइबर ठगी के चार अलग-अलग मामले सामने आए हैं। इनमें अस्पताल में डॉक्टर से चेकअप के लिए अपॉइंटमेंट लेने, फेसबुक फ्रेंड की मदद करने, कंपनी की फ्रेंचाइजी लेने और बैंक खाते से रुपए कटने की घटनाएं शामिल हैं। चारों मामलों में पीड़ितों को कुल करीब 19 लाख 82 हजार 933 रुपए का नुकसान हुआ है। साइबर हेल्पलाइन में शिकायत के बाद जीरो पर प्रकरण दर्ज कर संबंधित थानों को भेजे गए हैं। पुलिस अब ठगी के तरीकों और आरोपियों की पहचान करने में जुटी है,बता दे तुलसीनगर निवासी साक्षी मिश्रा को अस्पताल का नंबर गूगल पर सर्च करना महंगा पड़ गया। उन्होंने 9 अक्टूबर को डॉक्टर से चेकअप कराने के लिए मिथिलेश मेमोरियल नर्सिंग होम का संपर्क नंबर सर्च किया और उस पर फोन लगाया। इस दौरान कथित तौर पर ठग ने



अपॉइंटमेंट बुक करने के नाम पर उन्हें एक लिंक भेजी। साक्षी ने लिंक डाउनलोड कर ली और उसमें ओटीपी भी दर्ज कर दिया। हालांकि, इसके बाद भी अस्पताल का नंबर नहीं लगा और अपॉइंटमेंट की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई।

कुछ समय बाद संबंधित व्यक्ति ने फोन कर बताया कि अपॉइंटमेंट की जानकारी उनके वाट्सएप पर भेज दी जाएगी। साक्षी को उस समय किसी गड़बड़ी का अंदेशा नहीं हुआ। लेकिन 12 अक्टूबर को उनके बैंक खाते से 3 लाख 47 हजार रुपए ट्रांसफर हो गए। मोबाइल पर रुपए कटने का संदेश मिलने के बाद उन्हें खाते से रकम निकलने की जानकारी हुई। इसके बाद उन्होंने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।

फेसबुक फ्रेंड बनकर मांगे रुपए, महिला ने भेज दिए 4.20 लाख

साइबर ठगी का दूसरा मामला विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र का है। यहां रहने वाली आशालता सिंह को फेसबुक पर जुड़े एक व्यक्ति के नाम पर फोन कर ठगी का शिकार बनाया गया। फेसबुक पर वरुण अरोरा नाम का व्यक्ति उनसे जुड़ा हुआ था, जिसे वह फॉलो करती थीं।
जानकारी के अनुसार, 7 अक्टूबर को उनके मोबाइल पर वरुण अरोरा के नाम से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को मुसीबत में बताते हुए रुपयों की जरूरत बताई। परिचित समझकर आशालता ने शुरुआत में एक लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी अलग-अलग किस्तों में रुपए मांगता रहा। महिला उसके झांसे में आकर बताए गए बैंक खातों में रकम भेजती रहीं।=इस तरह वह करीब 4 लाख 20 हजार रुपए ट्रांसफर कर चुकी थीं। 12 अक्टूबर को आरोपी ने फिर डेढ़ लाख रुपए की मांग की। इस बार संदिग्ध लेनदेन की जानकारी बैंक को हो गई। बैंक कर्मचारियों ने महिला को बुलाकर लेनदेन के संबंध में जानकारी ली, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। पीड़िता ने साइबर हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई।

फ्रेंचाइजी देने का झांसा, अलग-अलग खातों में जमा कराए 6.77 लाख

तीसरे मामले में समान निवासी राजमणि सिंह कंपनी की फ्रेंचाइजी लेने के नाम पर ठगी का शिकार हुए हैं। उन्होंने गूगल पर गो ट्रैक एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड, अरुणाचल-दिल्ली का संपर्क नंबर सर्च किया और उस पर फोन किया। इसके बाद कथित तौर पर कंपनी की फ्रेंचाइजी दिलाने का भरोसा देकर उनसे बातचीत की गई।0आरोपियों ने फ्रेंचाइजी देने की प्रक्रिया के नाम पर राजमणि सिंह से अलग-अलग बैंक खातों में रुपए जमा कराए। पीड़ित ने करीब 6 लाख 77 हजार रुपए जमा कर दिए, लेकिन इसके बावजूद उन्हें फ्रेंचाइजी नहीं मिली। काफी समय तक इंतजार करने के बाद जब उन्हें अपने साथ धोखाधड़ी होने का संदेह हुआ, तब उन्होंने साइबर हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई।

महिला के खाते से कटे 34,999 रुपए, ठगी का तरीका स्पष्ट नहीं

साइबर ठगी का चौथा मामला विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र का है। यहां रहने वाली पूनम सिंह के बैंक खाते से 20 अक्टूबर को 34 हजार 999 रुपए ट्रांसफर होने का मैसेज आया। उनके खाते से रकम किसी दूसरे बैंक खाते में चली गई थी। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ठगों ने महिला को किस तरीके से निशाना बनाया और खाते से रकम कैसे निकाली। पूनम सिंह ने भी साइबर हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस प्रकरण में ठगी का तरीका सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि घटना किसी लिंक, ओटीपी, बैंकिंग जानकारी या अन्य माध्यम से हुई।

विश्वविद्यालय में उपस्थिति बढ़ाने और प्रैक्टिकल में बेहतर नंबर देने के नाम अवैध वसूली

कई छात्रों से आनलाइन तो कईयों से ली नकद राशि

रीवा। विंध्य का सबसे बड़े शिक्षा मंदिर अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा में छात्रों से अवैध वसूली का का मामला सामने आया है। वसूली के लिए कम उपस्थिति दर्शाने व प्रैक्टिल में नंबर देने की आड़ में बनाया जा रहा है। कई छात्रों से आनलाइन पैसा लिया गया तो किसी से नकद लिया गया। इस वसूली में अभी एक संकाय के एक प्रोफेसर का नाम सामने आया लेकिन इसमें संबंधित संकाय के एचओडी की भूमिका को नहीं नकारा जा सकता है। विश्वविद्यालय छात्र अर्पित मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि कि बीए पॉलिटिकल छात्रों से अटेंडेंस बढ़ाने, परीक्षा फार्म ओपन करने और प्रैक्टिकल बाइवा में बेहतर नंबर देने के नाम पर एक मैडम द्वारा अवैध वसूली की जा रही है। मैडम का नाम छात्र अर्पित मिश्रा ने प्रिया द्विवेदी बताया है। हालांकि इस संबंध में अभी तक विश्वविद्यालय प्रबंधन की ओर से कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है वही अर्पित मिश्रा द्वारा ऑनलाइन पेमेंट लेने की कुछ स्क्रीनशॉट भी दिए गए हैं जिसमें अलग-अलग छात्रों से 500 से 1500 रुपए व 2000 रूपये तक लिए गए है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को ही एक पूर्व सैनिक से उसकी बेटी की मार्कशीट देने के एवज पैसा मांगे जाने पर उसके द्वारा कुलगुरु के वाहन के सामने धरना दिया गया। इस दौरान कई छात्र-



छात्राओं द्वारा यही आरोप लगाने की बात सामने आई है। इससे साबित होता है कि विवि प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों का नियंत्रण कमजोर है।

परीक्षा पर्यवेक्षकों पर लग चुका वसूली का आरोप

इसके पूर्व विवि के कुछ प्राध्यापकों पर संभाग के दूसरे जिलों में इंक्जामिनर के रूप में वसूली का मामला भी चर्चा में रहा है। अब यहां संकायों में वसूली का मामला फिर आ गया। उल्लेखनीय है कि इसे पूर्व एनएसयूआई द्वारा अतिथि आचार्यों की नियुक्ति सहित कई गड़बडियों के लेकर धरना प्रदर्शन के साथ कालेज चौराहा से कलेक्ट्रेट तक दंडवत मार्च कर ज्ञापन सौंपा था। मामले की जांच नहीं होने के कारण ही स्थिति आराजक है और विवि के प्राध्यापकों पर अंक बढ़ाने के नाम पर आनलाइन व नकद पैसा वसूलने का आरोप सामने आया है।

आदर्श पांडेय केंद्रीय जेल में करा रहे हैं निःशुल्क योगाभ्यास

जेल अधीक्षक के मार्गदर्शन में बंदियों के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास की अनूठी पहल

रीवा।

जिले के प्रसिद्ध योग साधक, रीवा के रबर बॉय आदर्श पांडेय केंद्रीय जेल रीवा में बंदियों को योगाभ्यास कराकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर रहे हैं। छह विश्व रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले, गोल्ड मेडलिस्ट एवं अंतरराष्ट्रीय योगासन खिलाड़ी आदर्श पांडेय जेल में निःशुल्क योग सेवा प्रदान कर रहे हैं। यह योग शिविर केंद्रीय जेल रीवा के जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य बंदियों को योग के माध्यम से शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से मजबूत और आध्यात्मिक रूप से जागरूक बनाना है।





आदर्श पांडेय का मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुधार की संभावना होती है। योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मअनुशासन, सकारात्मक सोच और बेहतर जीवनशैली अपनाने का प्रभावी साधन भी है। नियमित योगाभ्यास से बंदियों को तनाव प्रबंधन, एकाग्रता और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायता मिल सकती है। आदर्श पांडेय का उद्देश्य है कि जेल में रहने वाले व्यक्ति भी योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और समाज की मुख्यधारा में लौटने के लिए सकारात्मक सोच विकसित करें। उनका मानना है कि यदि युवाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग तक योग पहुँचाया जाए, तो नशामुक्ति, अनुशासन और स्वस्थ जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं।

योग के माध्यम से समाज सेवा का संकल्प

छह विश्व रिकॉर्ड और खेल क्षेत्र में उपलब्धियों के बावजूद आदर्श पांडेय योग को जन-जन तक पहुँचाने के अपने संकल्प पर कार्य कर रहे हैं। केंद्रीय जेल रीवा में उनकी निःशुल्क योग सेवा इस विचार को आगे बढ़ाती है कि योग का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचना चाहिए। इस पहल में मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए जेल अधीक्षक के प्रति आभार व्यक्त किया गया। योग के माध्यम से बंदियों के जीवन में सकारात्मकता, आत्मविश्वास और सुधार की भावना विकसित करना इस सेवा का प्रमुख उद्देश्य है।

मुख्य सप्लायर की तलाश में जुटी पुलिस

रीवा। नशीली सिरप की बिक्री करते मां-बेटी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कबाड़ी मोहल्ले निवासी तुलसा लोनिया और उसकी बेटी आंचल लोनिया द्वारा नशीली सिरप बिक्री करने की सूचना सिटी कोतवाली पुलिस को मिली थी जिस पर पुलिस नै उनके घर में दबिश दी। मां-बेटी को हिरासत में लेकर उन्होंने तलाशी नशीली ली तो उनके घर से 13 शीशी सिरप बरामद हुई जिसको वे छिपाकर रखे हुए थी। बाकी सिरप उन्होंने बेच दी थी। उनको नशीली सिरप पहुंचाने वाला सप्लायर फिलहाल फरार है जिसकी भी पुलिस तलाश कर रही है।
एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी निशा मिश्रा ने बताया कि मां-बेटी को नशीली सिरप की बिक्री करते गिरफ्तार किया गया है जिनसे पूछताछ की जा रही है। जांच में जिनकी भूमिका सामने आएगी

कपड़ा दुकान का शटर काटकर घुसे चोर, 18 हजार नकद और 70 हजार के कपड़े गायब

शिल्पी प्लाजा के पीछे पीली कोठी स्थित मारवाड़ी फैशन में वारदात



रीवा। शहर के व्यस्त और प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र शिल्पी प्लाजा के पीछे पीली कोठी में संचालित कपड़ा दुकान मारवाड़ी फैशन में चोरों ने धावा बोल दिया। अमहिया थाना क्षेत्र में हुई इस वारदात में चोर दुकान की ऊपरी मंजिल का शटर तोड़कर अंदर घुसे और काउंटर में रखे करीब 18 हजार रुपए नकद सहित महंगे कपड़े चोरी कर ले गए। चोरी गए कपड़ों की कीमत 60 से 70 रुपए में होने की आशंका है। वारदात को अंजाम देने के बाद चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने वाला डीवीआर भी उखाड़कर अपने साथ ले गए। सुबह दुकान संचालक और कर्मचारी मौके पर पहुंचे तो ऊपरी मंजिल का शटर टूटा मिला। दुकान के अंदर सामान बिखरा हुआ था और नकदी सहित कीमती कपड़े गायब थे। चोरी की जानकारी मिलते ही दुकान संचालक ने अमहिया थाना पुलिस को सूचना दी। व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र में हुई इस वारदात के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों को भी बुलाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अज्ञात चोर बैंक ऑफ बड़ौदा की तरफ से मारवाड़ी फैशन दुकान की ओर आए थे। इसके बाद उन्होंने दुकान की ऊपरी मंजिल पर लगे शटर को कटर या किसी भारी औजार की मदद से तोड़ा और भीतर दाखिल हो गए। दुकान में प्रवेश करने के बाद चोरों ने काउंटर में रखी नकदी निकाली और वहां मौजूद महंगे व ब्रांडेड कपड़ों को समेट लिया। चोरों ने वारदात के दौरान इस बात का भी ध्यान रखा कि दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए उनकी पहचान सामने आ सकती है। इसी वजह से उन्होंने कैमरों के कनेक्शन काटने के साथ रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने वाला डीवीआर बॉक्स भी उखाड़ लिया। हालांकि, पुलिस अब आसपास के दूसरे प्रतिष्ठानों और रास्तों पर लगे कैमरों की मदद से आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

एफएसएल टीम ने जुटाए फिंगरप्रिंट और फुटप्रिंट

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कराया। एफएसएल की टीम ने मौके से फिंगरप्रिंट और फुटप्रिंट के नमूने एकत्र किए हैं। इन वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में मदद मिलने की उम्मीद है। डीवीआर चोरी होने के कारण पुलिस के पास फिलहाल दुकान के अंदर की रिकॉर्डिंग उपलब्ध नहीं है। ऐसे में जांच टीम आसपास की दुकानों, प्रतिष्ठानों और सड़क मार्गों पर लगे बाहरी सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। बैंक ऑफ बड़ौदा की तरफ से दुकान तक आने वाले रास्ते पर संदिग्धों की गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

मेडिकल स्टोर की आड़ में नशे का कारोबार 275 प्रतिबंधित टैबलेट जब्त, संचालक गिरफ्तार

रीवा।



जिले में नशीली और प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बैकुंठपुर स्थित एक मेडिकल स्टोर से 275 नशीली टैबलेट जब्त की हैं। पुलिस ने मामले में मेडिकल स्टोर संचालक मनीष गुप्ता को गिरफ्तार किया है। आरोपी मेडिकल स्टोर की आड़ में नशीली और प्रतिबंधित टैबलेट की बिक्री कर रहा था,पुलिस ने गिरफ्तार कर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के मुताबिक, बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के केपी चौराहा स्थित एक मेडिकल स्टोर से नशीली और प्रतिबंधित टैबलेट बेचे जाने की सूचना मुखबिर के माध्यम से मिली थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने संबंधित मेडिकल स्टोर पर दबिश देने की योजना बनाई। इसके बाद पुलिस ने अचानक दुकान पर पहुंचकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान दुकान से अलग-अलग साइज के कुल 34 पत्ते बरामद किए गए, जिनमें 275 नशीली टैबलेट मिलीं। पुलिस ने टैबलेट जब्त कर दुकान संचालक मनीष गुप्ता को हिरासत में ले लिया। मामले में जब्त दवाओं की प्रकृति और उनके अवैध कारोबार से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

मऊगंज में ग्राम पंचायतों की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

ग्राम पंचायतें राजस्व स्रोत विकसित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें - श्रीमती देशमुख

मऊगंज। ग्राम पंचायतों की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा ने कहा कि सभी ग्राम पंचायतें अपने राजस्व स्रोत विकसित करके आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। ग्राम पंचायतों को कर लगाने और वसूल करने के पूरे अधिकार हैं। आमजनता की सहमति से ग्राम सभा के माध्यम से करारोपण करें। सभी ग्राम पंचायतें परिसम्पत्तियों का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखें। वर्तमान समय में सभी कार्य ऑनलाइन किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायतें दृष्टि पोर्टल के माध्यम से आडिट एवं कैशबुक की ऑनलाइन प्रविष्टि करें। निर्धारित समय सीमा में सभी जानकारियाँ पोर्टल पर दर्ज करा दें, जिससे शासन के निर्देशों के अनुरूप ग्राम पंचायतों में वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित हो सके।
मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि सभी ग्राम पंचायतें ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करें। इसके लिए निर्धारित 9 बिन्दुओं पर कार्ययोजना बनाएं। पंचायतों की स्थानीय आवश्यकताओं तथा उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप कार्ययोजना होनी



चाहिए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कार्यशाला में कर संग्रहण, ऑनलाइन भुगतान प्रणाली तथा वीबी जीरामजी योजना के संबंध में बिन्दुवार जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल निगम तथा पीएचई विभाग के अधिकारी पूर्ण नलजल योजनाओं को समारोह पूर्वक ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित करें। ग्राम पंचायतें नलजल योजनाओं का ठीक से संचालन और संधारण करें। नलजल योजना से जुड़े तकनीकी कार्यों में पीएचई के अधिकारी ग्राम पंचायतों को सहयोग करें। नियमित पानी की आपूर्ति के बाद जल कर की राशि प्राप्त करने के लिए भी विशेष प्रयास करें। जिन ग्राम पंचायत भवनों में बिजली के कनेक्शन नहीं हैं उनकी सूची जनपद के सीईओ दो दिवस में प्रस्तुत करें। ग्राम पंचायतों में कनेक्शन के साथ बिजली का मीटर अनिवार्य रूप से लगाकर बिजली की खपत के अनुसार बिल का भुगतान करें।
कार्यशाला में महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान जबलपुर के प्रशिक्षक त्रिलोचन सिंह ने ग्रामीण विकास विभाग योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सरपंच, ग्राम पंचायत सचिव तथा रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

नईगढ़ी मे प्रस्फुटन समितियों का शक्ति संचय अभियान के प्रशिक्षण बैठक का हुआ आयोजन

मऊगंज। जिले के जनपद पंचायत नईगढ़ी मे मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् के निर्देशानुसार नवांकुर संस्था त्रिवेणी बहुद्देशीय जन कल्याण संस्था सेक्टर नईगढ़ी की प्रस्फुटन समितियों की शक्ति संचय अभियान के तहत वर्ष 2026-27 का महत्वपूर्ण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है जिसके तार्यतम्य में 29 अक्टूबर को सभी नईगढ़ी की 6 समितियों के सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षण में सहभागी समितियों के सदस्यो को पंजियन कराया गया साथ ही मां सरस्वती बंदना के साथ बैठक की रूपरेखा और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् की गाइडलाइंस के अनुरूप प्रस्तावना संस्था अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी ने बताया। साथ ही मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों एवं लक्ष्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। परिषद द्वारा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने, जनसहभागिता को बढ़ावा देने, स्वयंसेवी संस्थाओं को प्रोत्साहित करने तथा ग्राम विकास की गतिविधियों में नागरिकों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने के प्रयासों पर चर्चा की गई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि राजेश कुमार प्रजापति सरपंच ग्राम पंचायत पथरौडा कला द्वारा



प्रतिभागियों को बताया गया कि समाज के समग्र विकास के लिए शासन, समाज एवं स्वयंसेवी संगठनों के बीच समन्वय आवश्यक है। प्रस्फुटन समितियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इस सत्र में प्रस्फुटन समितियों को एक सक्रिय, संगठित एवं उत्तरदायी स्वयंसेवी संगठन के रूप में विकसित करने के विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के दायित्व, आपसी समन्वय, सामूहिक निर्णय प्रक्रिया तथा ग्राम स्तर पर विकास कार्यों की पहचान एवं क्रियान्वयन जैसे विषयों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया कि वे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं अन्य सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में जनसहभागिता सुनिश्चित करें तथा समिति को समाज के विश्वास एवं सहयोग का केंद्र बनाएं। संवाद कौशल विषय पर प्रशिक्षक राजरमन पटेल द्वारा प्रभावी संवाद कौशल की आवश्यकता एवं उसकी विभिन्न तकनीकों के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने स्पष्ट एवं सरल संवाद, ध्यानपूर्वक सुनने, विचारों को व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करने तथा सामूहिक चर्चा के माध्यम से समस्याओं का समाधान खोजने के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को बताया गया कि ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए संवाद कौशल अत्यंत आवश्यक है।